न्यूज डायरी

पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में बलूच विद्रोहियों का भीषण हमला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तानी सेना के लिए काल बन चुके बलूच विद्रोहियों ने बलूचिस्तान प्रांत में पांजगुर और नूशकी इलाके में फ्रंटियर कोर और सेना के एक ठिकाने पर भीषण हमला किया है। बलूच विद्रोहियों का दावा है कि इस हमले में 100 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए हैं। उधर, पाकिस्तानी सेना ने दावा किया है कि बलूचों के हमले को विफल कर दिया गया है और 4 आतंकी मारे गए हैं। पाकिस्तानी सेना ने केवल 1 सैनिक के मारे जाने की पुष्टि की है। इससे पहले बलूच विद्रोहियों ने 10 पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराया था और 30 घंटे के बाद जनरल बाजवा ने इसे स्वीकार किया था। पाकिस्तानी सेना ने एक बयान जारी करके कहा कि दोनों ही जगहों पर बलूच विद्रोहियों के हमले को विफल कर दिया गया है। उसने दावा किया कि इस जवाबी कार्रवाई में विद्रोहियों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है।

यूक्रेन ने भारत से मांगी मदद, रूस से मंडरा रहा जंग का खतरा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कीव। रूस और यूक्रेन के हजारों की तादाद में सैनिक मिसाइलों और भारी हथियारों के साथ सीमा पर जमा हैं। अमेरिका और नाटो देशों की ओर से जहां रूसी हमले की आशंका जताई जा रही हैं, वहीं यूक्रेन के राष्ट्रपति शांति पर जोर दे रहे हैं। इस बीच यूक्रेन के विदेश मंत्री दमयत्रो कुलेबा ने रूस के शांति की बहाली में भारत से मदद की गुहार लगाई है। यूक्रेन के विदेश मंत्री ने कहा कि इसका असर पड़ेगा। दमयत्रो कुलेबा ने भारतीय मीडिया की ओर से पूछ गए एक सवाल के जवाब में कहा कि भारत रूस को यह स्पष्ट तरीके से बता सकता है कि यूक्रेन एक मित्र है और भारत का भागीदार है। भारत रूस की ओर से वर्तमान संकट को सुलझाने के लिए सैन्य तरीके से या अंदर से ही अस्थिर करने के किसी भी प्रयास को अस्वीकार्य मानता है। उन्होंने कहा, यदि रूस यह भारत सरकार की ओर से सुनता है तो यह समर्थन का बहुत सख्त संदेश होगा और इसका एक असर होगा।

यदि हमला किया तो ये बड़ी भूल और गलत आकलन होगाः ब्रिटेन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जानसन ने यूक्रेन को लेकर रूस को आगाह किया है। उन्होंने कहा है कि यदि रूस यूक्रेन पर हमला करता है तो ये उसकी बड़ी गलती और गलत आकलन होगा। उन्होंने ये बात रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ हुई फोन पर बातचीत के दौरान कही है। उन्होंने रूसी राष्ट्रपति से कहा कि वो यूक्रेन से लगती सीमा पर एक लाख रूसी जवानों की तैनाती से काफी चिंतित हैं। ब्रिटेन की तरफ से जारी किए गए एक बयान में कहा गया है कि फोन पर हुई वार्ता के दौरान दोनों ही देशों के राष्ट्राध्यक्ष इस बात को लेकर सहमत थे कि युद्ध किसी के लिए भी सही नहीं होगा। इससे किसी को कोई फायदा नहीं मिलने वाला है।

अमेरिका ने राहुल गांधी के बयान का नहीं किया समर्थन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के पीएम मोदी सरकार की अप्रभावी नीतियों की वजह से चीन और पाकिस्तान बीच रिश्ते मजबूत होने के बयान पर अमेरिका के विदेश मंत्रलालय ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने कहा कि मैं इसे पाकिस्तानियों और चीन के ऊपर छोड़ता हूं कि वे अपने रिश्ते के बारे में बोलें लेकिन मैं इस बयान को निश्चित रूप से बढ़ावा नहीं देता हूं। नेड प्राइस ने कहा कि पाकिस्तान अमेरिका का एक रणनीतिक सहयोगी देश है। हमारा पाकिस्तान की सरकार के साथ महत्वपूर्ण रिश्ता है। यह एक ऐसा रिश्ता है जिसे हम विभिन्न मोर्चों पर तवज्जो देते हैं। इससे पहले कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और सांसद राहुल गांधी बुधवार को लोकसभा में मोदी सरकार पर निशाना साधा था। राहुल गांधी ने चीन को लेकर सरकार को आगाह भी कर गए। उन्होंने कहा कि सरकार ने विदेश नीति में बड़ी गलतियां की हैं।

स्कॉटलैंड की सीमा के पास आए रूसी परमाणु बॉम्बर टीयू-95

हिमाकत

रूस और यूक्रेन के बीच जारी तनाव के बीच रूसी बॉम्बर ब्रिटेन की सीमा के पास पहुंच गया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

लंदन। पूर्वी यूरोप में रूस और यूक्रेन के बीच जारी तनाव के बीच परमाणु बम गिराने में सक्षम रूसी बॉम्बर टीयू–95 स्कॉटलैंड में ब्रिटेन की सीमा के पास पहुंच गया। रूसी विमानों को अपनी ओर आता देख ब्रिटेन ने अपने सबसे खतरनाक टाइफून विमानों को रूसी बॉम्बर का पीछा करने के लिए लगा दिया। बताया जा रहा है कि दो Tu–95 बॉम्बर और दो समुद्री निगरानी विमान ज्न–142 ब्रिटेन की सीमा के पास उत्स्तरी समुद्र में पहुंचे थे। घटना में कई मिनट तक गतिरोध बना रहा और बाद में रूसी विमान बिना ब्रिटेन की हवाई सीमा में प्रवेश किए ही वापस लौट गए। रूसी जंगी विमानों के ब्रिटेन के नजदीक पहुंचने की यह घटना ऐसे समय पर हुई जब कुछ घंटे पहले ब्रिटेन के पीएम बोरिस जॉनसन ने रूसी राष्ट्रपति से यूक्रेन संकट पर बातचीत की थी। रूसी वीडियो से पता चलता है कि जॉनसन के यूक्रेन से लौटने के बाद यह रूसी विमान ब्रिटिश सीमा के पास पहुंचा।

टीयू-95 बॉम्बर हवा में तेल भरने का अभ्यास कर रहा थाः बोरिस जॉनसन ने यूक्रेन दौरे से ठीक पहले रूस को चेतावनी दी थी कि पुतिन ने अगर हमला किया तो यह विनाशकारी गलती होगी। इस वीडियो में नजर आ रहा है कि ब्रिटेन के टायफून विमान रूसी विमानों के बेहद करीब से उड़ान भर रहे थे। बता दें कि यूक्रेन और कई अन्य मुद्दों को लेकर रूस और ब्रिटेन में संबंध बहुत ही तनावपूर्ण चल रहे हैं। उधर, रूस ने एक बयान जारी करके कहा है कि टीयू–95 बॉम्बर हवा में तेल भरने का अभ्यास कर रहा था।

ब्रिटेन ने रूस के साथ तनाव को देखते हुए यूक्रेन को बड़े पैमाने पर हथियार और मिसाइलें दिया है। उधर, अमेरिका ने ऐलान किया है कि वह यूरोप में अतिरिक्त सैनिकों को तैनात करेगा। रक्षा विभाग ने यूक्रेन की सीमाओं पर तनाव का हवाला देते हुए घोषणा की है। रक्षा विभाग के प्रवक्ता जॉन किर्बी के हवाले से कहा कि तैनाती में वर्तमान में जर्मनी में स्थित 1,000 सैनिकों को रोमानिया और अन्य 2,000 सैनिकों को संयुक्त राज्य अमेरिका से जर्मनी और पोलैंड भेजा जाना शामिल है।

अमेरिका ने 8,500 सैनिकों को अलर्ट पर रखाः पेंटागन में एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान किर्बी ने कहा कि ये स्थायी कदम नहीं हैं। ये मौजूदा सुरक्षा माहौल का जवाब देने के लिए तैयार किए गए कदम हैं। इसके अलावा, ये बल यूक्रेन में लड़ने नहीं जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये आंदोलन दुनिया के लिए अचूक संकेत हैं कि हम अपने (उत्तर अटलांटिक संधि संगठन) सहयोगियों को आश्वस्त करने और किसी भी आक्रमण से बचाव के लिए तैयार हैं। यूक्रेन पर रूसी आक्रमण के आसन्न होने का दावा करने की तैयारी में अमेरिका ने पहले ही कुछ 8,500 सैनिकों को अलर्ट पर रखा है। यह उपाय सैनिकों को अल्प सूचना पर तैनात करने में सक्षम करेगा यदि नाटो अपने तीव्र प्रतिक्रिया बल को सक्रिय करने का निर्णय लेता है।

भारत के साथ रिश्तों पर पाकिस्तान का बड़ा बयान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। भारत के साथ चल रहे तनाव के बीच पाकिस्तान ने एक बार फिर से शांति का राग अलापा है। पाकिस्तान के बड़बोले राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मोइद युसूफ ने कहा है कि उनका देश भारत के साथ शांति चाहता है। पाकिस्तानी एनएसए ने आरोप लगाया कि भारत सरकार की विचारधारा ने सभी रास्तों को बंद कर दिया है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच बातचीत का माहौल बनाने की जिम्मेदारी भारत की है।

हाल ही में पाकिस्तान के राष्ट्रीय सुरक्षा नीति को जारी करने वाले मोइद युसूफ ने इंडियन एक्सप्रेस को दिए साक्षात्कार में कहा कि भारत अभी भी पाकिस्तान के लिए वास्तविक खतरा है। राष्ट्रीय सुरक्षा नीति में भारत के साथ शांति के दावे के बारे में मोइद ने कहा कि पाकिस्तान भारत के साथ शांति चाहता है। लेकिन दुखद बात यह है कि भारत ऐसी स्थिति में है जहां वर्तमान भारत सरकार की विचारधारा ने सभी रास्तों को बंद कर दिया है। भारत सरकार की हमारे साथ बातचीत समझदारी से भरा नहीं है। पाकिस्तानी एनएसए ने दावा किया, हमने बार–बार कहा है कि गेंद अब भारत के पाले में है। हम भी आगे बढ़ना चाहते हैं लेकिन इसके लिए जरूरी माहौल भारत की ओर से आना चाहिए।

स्वात घाटी में मिला 2000 साल पुराना बौद्ध मंदिर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) स्वात घाटी। पाकिस्तान के उत्तरी हिस्से में स्थित स्वात घाटी में पुरातत्वविदों को 2000 साल पुराना बौद्ध मंदिर मिला है। यह इलाका पहले गंधार इलाके में आता था और बाद में सिकंदर ने इस पर हमला करके फतह हासिल कर लिया था। इसके बाद यहां पर बौद्ध आस्था पर यूनानी कला का असर देखा गया था। पुरातत्वविदों का अनुमान है कि यह बौद्ध मंदिर दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व के मध्य का है। उस समय गंधार पर यूनानियों का शासन था। उन्होंने बताया कि यह दुनिया के सबसे प्राचीन बौद्ध मंदिरों में से एक है। पुरातत्वविदों ने बताया कि यह मंदिर एक अन्य प्राचीन मंदिर के अवशेष के ऊपर बनाया गया है जो तीसरी शताब्दी ईसापूर्व के काल का है।

बुआ के साथ 9 साल बाद नजर आया किम जोंग उन, सीने पर बैठकर काटा था फूफा का सिर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

प्योंगयांग। उत्तर कोरिया का क्रूर तानाशाह किम जोंग उन करीब 9 साल बाद अपनी बेहद प्रभावशाली बुआ किम क्योंग के साथ सार्वजनिक रूप से दिखाई दिया है। किम क्योंग हुई तानाशाह किम जोंग उन के पिता किम जोंग इल की बहन हैं और साल 2020 में अंतिम बार सार्वजनिक रूप से दिखाई दी थीं। किम जोंग उन ने राजद्रोह के आरोप में अपने फूफा जांग सांग थायक की साल 2013 में गला काटकर हत्या कर दी थी। इसके बाद किम क्योंग हुई लाइम लाइट से दूर रहती थीं।

किम क्योंग हुई पूर्व में सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी की एक वरिष्ठ अधिकारी रह चुकी हैं। कहा जाता है कि किम जोंग उन ने अपने फूफा को पहले खतरनाक कुत्तों के सामने डाला और फिर मशीन गन से उन्हें भून दिया था। यही नहीं किम ने अपने फूफा के शव को आग की लपटों में फिकवा दिया था। इससे पहले डोनाल्ड ट्रंप के हवाले से दावा किया गया था कि किम जोंग उन ने अपने फूफा जांग सांग थायक की सिर कटी लाश को उत्तर कोरिया के अधिकारियों को दिखाया था।

बुआ और दो सहयोगियों को भी मरवाया

द वाशिंगटन पोस्ट के संपादक व खोजी पत्रकार बॉब वुडवर्ड की किताब रेज में ट्रंप के हवाले से दावा किया गया है कि किम जोंग उन ने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति को अपने फूफा की हत्या का किस्सा बताया था। साल 2013 में किम जोंग के फूफा जांग सांग थायक उत्तर कोरिया के सबसे शक्तिशाली नेताओं में से एक थे। इस किताब में बॉब वुडवर्ड ने लिखा कि ट्रंप ने उन्हें कहा कि कुछ साल पहले जब किम जोंग उन उनसे मिले तो दोनों के बीच काफी गर्मजोशी से बात हुई।

ट्रंप ने किताब के लेखक से कहा कि किम मुझे हर चीज बताता है। उसने मुझे हर बात बताई। उसने अपने फूफा की हत्या की और कदमों में उसका शरीर रख दिया और फिर छाती पर बैठकर सिर काट दिया गया।

कजाखस्तान हिंसा में हस्तक्षेप के आरोपों से तालिबान ने किया इन्कार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काबुल। कजाखस्तान में हाल ही में हुई हिंसा में हस्तक्षेप के आरोपों से तालिबान ने साफ इनकार किया है। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, तालिबान से इस दावे को कठोरता से खारिज कर दिया है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि कजाखस्तान में हुई हिंसा में तालिबान का हस्तक्षेप था। तालिबान ने कहा है कि इन आरोपों में कोई सच्चाई नहीं है और ना ही ऐसे सुबूत हैं जो इस बात को साबित कर सकें। तालिबान के हवाले से कहा, हम इस दावे को दृढ़ता से खारिज करते हैं कि इस्लामिक अमीरात किसी को भी अफगानिस्तान के क्षेत्र का इस्तेमाल किसी अन्य देश के नुकसान के लिए या अन्य देशों के मामलों में हस्तक्षेप करने की अनुमति देता है। इन आरोपों को लेकर साबित करने के लिए कोई सुबूत भी उपलब्ध नहीं हैं। इसके अलावा, बयान में कहा गया है कि कुछ मीडिया आउटलेट्स ने रूसी अधिकारियों के हवाले से कहा है कि अफगानिस्तान के कुछ व्यक्तियों ने भी कजाखस्तान में विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया था।